AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!

CRACK exam series

सामान्य हिन्दी

पुस्तक में केंद्र एवं राज्यों की सिविल परीक्षाओं (IAS, PCS), सभी राज्यों की एकदिवसीय परीक्षाओं, अध्यापक परीक्षाओं (TGT, PGT, NET), CTET एवं अन्य राज्यों की TET परीक्षाओं के सम्पूर्ण पाठ्यक्रमों का समावेश है।

5800+

सभी परीक्षाओं के विगत वर्षों के महत्वपूर्ण प्रश्नों का अध्यायवार समावेश

100% GUARANTEE

यह एक सम्पूर्ण पुस्तक है जिसका अध्ययन करने से आप किसी भी प्रतियोगी परीक्षा के हिन्दी विषय के प्रश्नों को आसानी से हल कर सकते हैं।

ललित वत्स | रेशमा सुल्तान

Code	Price	Pages
CB339	₹ 339	512

CRACK exam series

सामान्य हिन्दी

पुस्तक में केंद्र एवं राज्यों की सिविल परीक्षाओं (IAS, PCS), राज्यों की एकदिवसीय परीक्षाओं (UPSSSC, HSSC, MPPEB इत्यादि), अध्यापक परीक्षाओं (TGT, PGT, NET), CTET एवं अन्य राज्यों की TET परीक्षाओं के सम्पूर्ण पाठ्यक्रमों का समावेश है।

Prepared by:

ललित वत्स | रेशमा सुल्तान

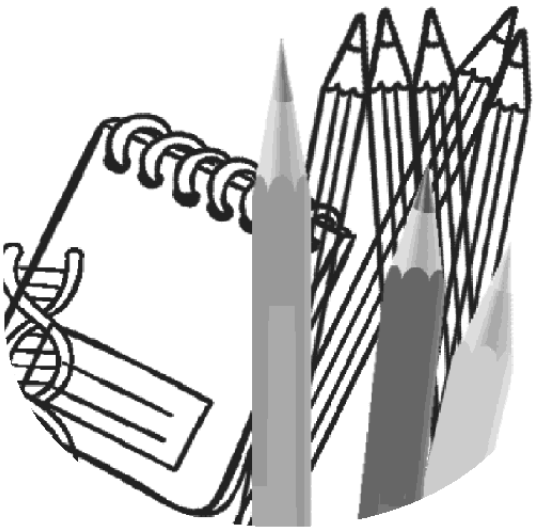

AGRAWAL GROUP OF PUBLICATIONS

EduCart | Agrawal Publications | AGRAWAL EXAMCART

Book Name	सामान्य हिन्दी
Editor Name	Rahul Agarwal
Edition	Latest
Published by	Agrawal Group Of Publications (AGP)

© All Rights reserved.
ADDRESS (Head office)	28/115 Jyoti Block, Sanjay Place, Agra, U.P. 282002
CONTACT	quickreply@agpgroup.in We reply super fast
BUY BOOK	www.examcart.in Cash on delivery available
WHATSAPP (Head office)	8937099777
PRINTED BY	Schoolcart
DESKTOP PUBLISHING	Agrawal Group Of Publications (AGP)
ISBN	978-93-91401-90-0
© COPYRIGHT	Agrawal Group Of Publications (AGP)

Disclaimer: This teaching material has been published pursuant to an undertaking given by the publisher that the content does not in any way whatsoever violate any existing copyright or intellectual property right. Extreme care is put into validating the veracity of the content in this book. However, if there is any error found, please do report to us on the below email and we will re-check; and if needed rectify the error immediately for the next print.

ATTENTION

No part of this publication may be re-produced, sold or distributed in any form or medium (electronic, printed, pdf, photocopying, web or otherwise) on Amazon, Flipkart, Snapdeal without the explicit contractual agreement with the publisher. Anyone caught doing so will be punishable by Indian law.

इस प्रकाशन का कोई भी हिस्सा प्रकाशक के साथ स्पष्ट संविदात्मक समझौते के बिना अमेज़न, फ्लिपकार्ट, स्नैपडील पर किसी भी रूप या माध्यम (इलेक्ट्रॉनिक, मुद्रित, पीडीएफ, फोटोकॉपी, वेब या अन्यथा) में फिर से उत्पादित, बेचा या वितरित नहीं किया जा सकता है। जो कोई भी ऐसा करता हुआ पकड़ा जाएगा, वह भारतीय कानून द्वारा दंडनीय होगा।

AGP contributes Rupee One on every book purchased by you to the **Friends of Tribals Society** Organization for better education of tribal children.

यह पेज अवश्य पढ़ें।

(जानिए हम आपकी परीक्षा की तैयारी में कैसे मदद करते हैं)

कुछ ही वर्षों में Agrawal Examcart की पुस्तकें शिक्षकों और छात्रों के बीच काफी लोकप्रिय हो गयी हैं। हमारे Subject Experts पुस्तकों की विषय सामग्री पर विशेष ध्यान देते हैं। परीक्षा के पठ्यक्रमानुसार पाठ्यपुस्तकों और गाइडबुक्स के माध्यम से हम आपको syllabus-wise सटीक और सरल भाषा में पुस्तकें प्रदान करते रहे हैं जिससे आपको कम समय में परीक्षा की तैयारी में मदद मिले। किसी भी परीक्षा सम्बन्धी practice set को तैयार करते समय, हमारा उद्देश्य यही रहता है कि आप अपनी परीक्षा की तैयारी का स्वयं मूल्यांकन 90% से अधिक सटीकता से कर सकें। यही कारण है कि प्रत्येक Practice set पिछले परीक्षा पैटर्न के अनुसार तैयार किया जाता है और इसमें बहुत अच्छे प्रश्नों का संग्रह होता है।

"हमारा उद्देश्य सिर्फ आपको पुस्तक उपलब्ध करना ही नहीं बल्कि आपके पुस्तक खरीदने से लेकर पुस्तक पूरा पढ़ने तक के सफर में हम आपके सारथि होंगे। इसीलिए हमने कुछ ऐसी सेवाएँ (नीचे दी गई) शुरू की हैं जिनकी मदद से हम आपकी सहायता कर पाएंगे।"

अपने Phone पर इस पुस्तक के संशोधित Updates प्राप्त करें!

हर बार जब हम इस पुस्तक में संशोधन या कोई भी नया update करेंगे तो उसकी जानकारी हम आपके Whatsapp Number पर भेजेंगे जिससे आपको इस बुक का नया संस्करण न लेना पड़े और आपको free में Updated Content मिल जाये। इसके लिए आपको नीचे दिए हुए फॉर्म को भरना होगा जिससे हम आपको Updated content भेज पाएं। ध्यान दें कि फॉर्म भरते समय Book Code सही डालें नहीं तो आपको किसी और बुक के Updates मिलेंगे। बुक का कोड पुस्तक के पीछे कवर पर नीचे से बायीं तरफ दिया है जो 'CB' से शुरू होता है|

Form link ☛ http://bit.ly/exmcrtrev or Scan Code ☛

Whatsapp Helpline No. (पुस्तक में गलती या परीक्षा सम्बंधित जानकारी)

परीक्षाओं से समबन्धित किसी भी तरह की जानकारी जैसे-पाठ्यक्रम, पेपर पैटर्न, सबसे अच्छी पुस्तकें, परीक्षा सम्बंधित महत्वपूर्ण Dates, किसी प्रश्न का हल एवं **हमारी पुस्तकों में किसी भी तरह की गलती पाए जाने पर हमारे whatsapp Helpline नंबर पर संपर्क करें**| हमारी Experts की Team आपको उससे सम्बंधित सही जानकारी उपलब्ध कराएगी|

Whatsapp number ☛ 8937099777 or Scan Code ☛

Join Telegram Group

Agrawal Examcart ने **Examcart Live** के नाम से एक नया **Telegram Group** शुरू किया है जिससे आपको कई तरह से परीक्षा की तैयारी में मदद मिलेगी

- नवीनतम परीक्षा का पूर्ण **Notification** और पाठ्यक्रम के **Updates** प्राप्त करें।
- नई परीक्षाओं से सम्बंधित best नवीनतम पुस्तकों के **Updates** प्राप्त करें।
- नई परीक्षाओं से सम्बंधित **Free Study material** प्राप्त करें।
- अपनी परीक्षा की तैयारी का परीक्षण करने के लिए **weekly practice problem sheet** प्राप्त करें।

Join us on Telegram: ☛ **t.me/Examcartlive or Scan Code ☛**

Read & Practice Online

हमारी Android App और Website पर पढ़ने की जानकारी अगले पृष्ठ पर दी गयी है|

ANDROID APP ON
Google Play

App की विशेषताएं!!!

- एकमात्र app जिसमें आपको परीक्षाओं से सम्बंधित सभी contents नए पाठ्यक्रम और परीक्षा पैटर्न अनुसार up-to-date मिलेंगे।
- App पर Course को खरीदने से पहले उसकी गुणवत्ता जानने के लिए Free content दिया है |
- हमारे App पर 100 से अधिक परीक्षाओं पर courses आकर्षक मूल्य पर उपलब्ध हैं |
- App पर Online Quiz देते समय आपको वास्तविक online परीक्षा जैसा अनुभव प्राप्त होगा।

Examcart Android App को चलाने की जानकारी

Step 1: **Google playstore** से **Examcart** की **App** को **Download** करें। **Examcart App** को **Playstore** पर देखने का link **http://bit.ly/examcartapp2021**

Step 2: **Examcart App** में **login** करें और Category Section में जाके अपने **Exam** से सम्बन्धित **Course** को देखें |

हमारे **app** के **features** एवं उसकी कार्य प्रणाली को समझने के लिए **15 seconds का Tutorial** देखें।
http://bit.ly/exmcrtdemo

Laptop, Desktop या iphone Users के लिए

Step 1: Mobile या Laptop Browser पर www.examcart.sikhaoo.com टाइप करें।

Step 2: हमारे Course को use करने के लिए **Sign in** करें।

Subscribe to our

YouTube Channel

☞ Examcart Live

Agrawal Examcart के Experts अब आपको न केवल सर्वश्रेष्ठ पुस्तकें उपलब्ध कराएंगे, बल्कि आपको ऑनलाइन भी पढ़ाएंगे। इसी दिशा में काम करते हुए हमने अपना "Examcart Live " के नाम से Youtube Channel शुरू किया है। हमारे आने वाली Live courses की जानकारी, महत्वपूर्ण पुस्तकें, आगामी परीक्षा के पाठ्यक्रम और notifications सम्बंधित videos को देखने के लिए हमारे Youtube channel को subscribe करें।

Join our Telegram Channel

☞ Examcart Live

Agrawal Examcart ने "Examcart Live" के नाम से अपना telegram channel शुरू किया है। इस channel के माध्यम से हम जो भी नयी online classes शुरू करने वाले हैं, उनका timetable, classes कब से शुरू होंगी, उनका price और अन्य जानकारी आपको इस चैनल के माध्यम से हमारे experts देते रहेंगे। इसलिए इस चैनल को join करना न भूलें।

Telegram channel link ☞ https://t.me/Examcartlive

विषय सूची

अध्याय		पृष्ठ सं.
1.	हिन्दी भाषा का विकास	1-8
2.	वर्ण विचार	9-22
3.	सन्धि	23-33
4.	शब्द विचार	34-49
5.	हिन्दी व्याकरण	50-60
6.	लिंग, वचन, कारक एवं काल	61-69
7.	पर्यायवाची शब्द	70-85
8.	विलोम शब्द	86-111
9.	श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द	112-122
10.	एकार्थी शब्द	123-125
11.	अनेकार्थी शब्द	126-131
12.	उपसर्ग एवं प्रत्यय	132-141
13.	समास	142-155
14.	वाक्य : अंग, भेद, रचना, पदबंध एवं विरामचिह्न	156-169
15.	वाक्यगत अशुद्धियाँ	170-184
16.	वाक्यांश के लिए एक शब्द	185-200
17.	वाच्य	201-203
18.	रिक्त स्थानों की पूर्ति	204-215
19.	मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ	216-231
20.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	232-290
21.	हिन्दी गद्य का उद्‌भव एवं विकास	291-296
22.	हिन्दी निबन्ध का उद्‌भव, विकास एवं प्रमुख निबंधकार	297-301
23.	हिन्दी कहानी का आरम्भ, विकास व प्रमुख कहानीकार	302-311
24.	हिन्दी नाटक का उद्‌भव, विकास एवं प्रमुख नाटककार	312-319
25.	आलोचना	320-326
26.	हिन्दी गद्य साहित्य की अन्य विधाएँ	327-339
27.	हिन्दी साहित्य—कवि, रचनाएँ एवं भाषा–शैली	340-364
28.	रस निष्पत्ति, साधारणीकरण एवं ध्वनि सिद्धान्त	365-379
29.	छन्द	380-390
30.	अलंकार	391-402
31.	शब्द शक्ति	403-405
32.	काव्य के लक्षण, प्रयोजन एवं हेतु	406-421

33.	भाषा विज्ञान	422-432
34.	अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त एवं लोंजाइनस का उदात्त तत्व	433-436
35.	पत्र-लेखन	437-447
36.	व्यावहारिक लेखन, लेखन कौशल और पत्रकारिता	448-471
37.	पल्लवन या विस्तारण	472-473
38.	पारिभाषिक शब्दावली	474-484
39.	शब्दकोश में शब्दों के क्रम का निर्धारण	485-487
40.	संक्षेपण	488-490
41.	क्रमबद्धता	491-495
42.	अपठित गद्यांश	496-507
43.	अपठित पद्यांश	508-512

1. हिन्दी भाषा का विकास

संस्कृत भाषा को हिन्दी की जननी माना जाता है। भाषा के लिए 'हिन्दी' शब्द का प्राचीनतम प्रयोग **शरफुद्दीन के जफरनामा** में मिलता है।

संस्कृत भाषा के दो रूप हैं—

(i) वैदिक संस्कृत

(ii) लौकिक संस्कृत

- वैदिक संस्कृत तथा लौकिक संस्कृत प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ हैं।
- **वैदिक संस्कृत** के लिए **यास्क** तथा **पाणिनी** ने **छान्दस्** नाम भी प्रयुक्त किया है। इसके प्रयोग का समय **1500** ई. पू. से **1000** ई. पू. माना गया है।
- **लौकिक संस्कृत** के प्रयोग का समय **1000** ई. पू. से **500** ई. पू. माना गया है। वैदिक भाषा के साथ–साथ ही बोलचाल की भाषा संस्कृत थी जिसे लौकिक संस्कृत भी कहा जाता है।
- संसार की विभिन्न भाषाओं को लिखने के लिए अनेक लिपियाँ प्रचलित हैं। हिन्दी, संस्कृत, मराठी, नेपाली आदि भाषाएँ देवनागरी लिपि में लिखी जाती हैं।
- देवनागरी लिपि का विकास **ब्राह्मी लिपि** से हुआ है। ब्राह्मी लिपि का प्रयोग वैदिक आर्यों ने शुरू किया।

भारतीय आर्यभाषा का विभाजन

भारतीय आर्यभाषा को तीन कालों में विभक्त किया जा सकता है–

1. प्राचीन भारतीय आर्यभाषा–

1500 ई. पू.–**500** ई. पू. = वैदिक संस्कृत व लौकिक संस्कृत

2. मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषा–

500 ई. पू.–**1000** ई. = पालि, प्राकृत व अपभ्रंश

3. आधुनिक भारतीय आर्यभाषा–

1000 ई. से अब तक = हिन्दी और हिन्दीतर भाषाएँ (बांग्ला, उड़िया, मराठी, सिंधी, पंजाबी, असमिया आदि।)

- **प्राचीन भारतीय आर्यभाषा**

  वैदिक संस्कृत–**1500** ई. पू.–**1000** ई. पू. = छान्दस् (यास्क, पाणिनी)

  लौकिक संस्कृत–**1000** ई. पू.–**500** ई. पू. = संस्कृत भाषा (पाणिनी)

- **मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषा** (प्राकृत का समय)

  प्रथम काल (प्राकृत)–प्राकृत भारत की प्रथम देश भाषा है तथा भगवान बुद्ध के सारे उपदेश पालि में ही लिखे गए हैं।

  द्वितीय काल (प्राकृत)–भगवान महावीर स्वामी के समस्त उपदेश प्राकृत में लिखे गए।

  तीसरा काल (अपभ्रंश)–**500** ई.–**1000** ई.

  अवहट्ट–**900** ई.–**1100** ई. संक्रमणकालीन/संक्रांतिकालीन भाषा

- **आधुनिक भारतीय आर्यभाषा** (हिन्दी)

प्राचीन हिन्दी	**1100** ई.–**1400** ई.
मध्यकालीन हिन्दी	**1400** ई.–**1850** ई.
आधुनिक हिन्दी	**1850** ई.–अब तक

हिन्दी का विकास क्रम

संस्कृत
↓
पालि
↓
प्राकृत
↓
अपभ्रंश
↓
अवहट्ट
↓
हिन्दी

- अपभ्रंश भाषा का विकास **500** ई. पू. से **1000** ई. के मध्य हुआ। अपभ्रंश में साहित्य का आरम्भ **8**वीं सदी से **13**वीं सदी तक हुआ। अपभ्रंश का पुरानी हिन्दी से विशेष सम्बन्ध है।

	अपभ्रंश	आधुनिक भारतीय भाषाएँ/उपभाषाए
(1)	शौरसैनी	पश्चिमी हिन्दी, गुजराती, पहाड़ी, राजस्थानी
(2)	पैशाची	लहँदा, पंजाबी
(3)	ब्राचड़	सिन्धी
(4)	महाराष्ट्री	मराठी
(5)	मागधी	बिहारी, बांग्ला, उड़िया, असमिया
(6)	अर्द्धमागधी	पूर्वी हिन्दी

- अपभ्रंश से आधुनिक भारतीय भाषाओं का विकास हुआ।
- अपभ्रंश के प्रमुख रचनाकार–स्वयंभू, धनपाल, पुष्पदंत, सरहपा, कण्हपा आदि।
- अपभ्रंश के लिए **अवहत्थ, अवहट्ठ, अवहठ** तथा **औहट** शब्दों का प्रयोग हुआ है।
- **स्वयंभू** को **अपभ्रंश का वाल्मीकि** कहा जाता है।
- विद्यापति ने इसे **'देसिल बयना'** अर्थात् देशी भाषा कहा है।
- अपभ्रंश व पुरानी हिन्दी के मध्य के काल को **'संक्रान्ति काल'** के नाम से जाना जाता है।

- चन्द्रधर शर्मा गुलेरी ने संक्रान्ति काल में प्रयुक्त की जाने वाली भाषा को **'पुरानी हिन्दी'** कहा है।
- आदिकाल की दो प्रमुख भाषाएँ थी—**डिंगल व पिंगल।**

  आदिकाल का प्रचलित छन्द—**आल्हा छन्द।**

  यह वीर रस का बहुत ही प्रचलित व लोकप्रिय छन्द था।
- आदिकालीन साहित्य के तीन प्रमुख रूप हैं—
  - सिद्ध साहित्य
  - नाथ साहित्य
  - रासो साहित्य
- सिद्ध साहित्य की भाषा को अपभ्रंश एवं हिन्दी के संधिकाल की भाषा माना जाता है।
- सिद्धों की संख्या 84 मानी जाती है। सिद्ध कवियों द्वारा जनभाषा में लिखा गया साहित्य **सिद्ध साहित्य** कहलाता है।
- सिद्ध कवियों की रचनाएँ दो रूपों में मिलती हैं—**'दोहा कोष'** तथा **'चर्यापद'।**
- 84 सिद्धों में प्रमुख हैं—**सरहपा, शबरपा, कण्हपा, लुइया, डोम्भिपा, कुक्कुरिपा** आदि।
- नाथ पंथ का प्रवर्तक **गोरखनाथ** को माना जाता है। **10**वीं सदी के अन्त में शैव धर्म एक परिवर्तित रूप में आरम्भ हुआ जिसे **'नाथ पंथ'** या **'हठयोग'** कहा गया। नाथों की संख्या 9 मानी जाती है—**आदिनाथ (शिव), जलंधर नाथ, मछंदर नाथ, गोरखनाथ, निवृत्ति नाथ, गैनी नाथ** आदि।
- नाथ पंथियों ने जाति–पाँत, ऊँच–नीच और वर्ण भेद का विरोध किया था।
- नाथ पंथ के प्रवर्तक गोरखनाथ की कुल 14 रचनाएँ मानी जाती हैं।
- गोरखनाथ को हिन्दी का प्रथम गद्य लेखक मानते हैं।

हिन्दी भाषा में कुछ परिवर्तन			
आगत शब्द–	कदम, फुर्सत, खाक (फारसी) ताबीज, कागज, खराब (अरबी) दारोगा, सौगात (तुर्की) टॉफी, टॉकीज, हॉल (अंग्रेजी)	लिंग–	अरबी–फारसी से आये 'रूह', 'बू', 'ताकत' आदि के लिंग के असर से, परम्परा प्राप्त 'आत्मा', 'गंध', 'सामर्थ्य' आदि स्त्रीलिंग हो गये।
आगत ध्वनियाँ–	क़, ख़, ग़, ज़, फ़, ऑ	रूप–	तुमने आना है। (पंजाबी प्रभाव से। हिन्दी रूप '**तुम्हें**' आना है।) बहुत सी बुक्स पढ़ो। मकानात में आग लगी। (हिन्दी की प्रकृति के अनुसार 'बुकें, 'मकानों' होगा।)
आगत प्रत्यय/ उपसर्ग–	'दार' (फारसी)–रसदार, फलदार बे (फ़ारसी)–बेमेल, बेनाम		
वाक्य–	वह व्यक्ति जिसने 'हिन्दी गीत' को शिखर पर पहुँचाया, महादेवी वर्मा हैं। (द पर्सन हू रीच्ड् द हिन्दी–लिरिक टू जैनिथ इज़ 'महादेवी वर्मा' के असर से बना वाक्य–रूप)	→	वैसे हिन्दी की प्रकृति के अनुकूल वाक्य रहा है– जिस व्यक्ति ने हिन्दी गीत को शिखर पर पहुँचाया, वह महादेवी वर्मा हैं।

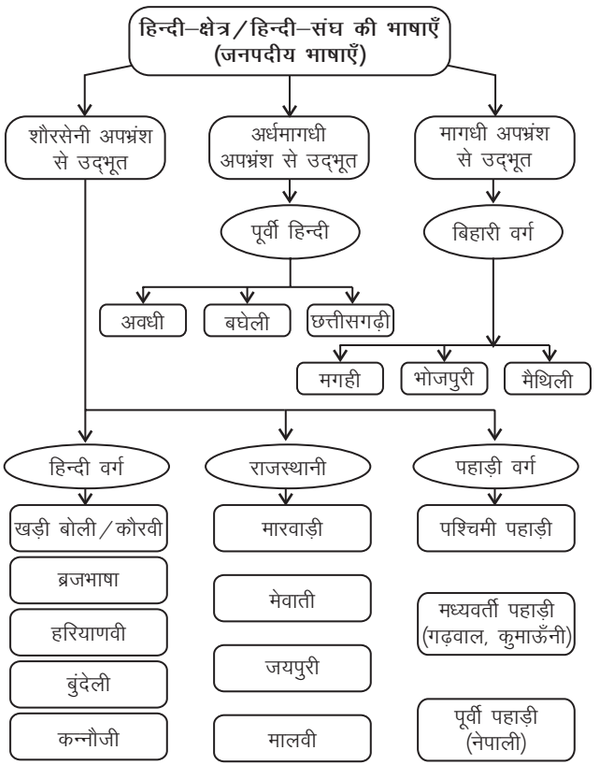

हिन्दी–क्षेत्र की भाषाएँ

भाषा–भेद और भाषायी परिवर्तनशीलता का ही एक आयाम है किसी एक भाषा–क्षेत्र में मौजूद अलग–अलग विभाषाएँ या बोलियाँ। विभाषाओं/बोलियों की बहुलता का आधार है—भौगोलिक रूप से विभक्त हुए मानव–समूहों की अलग–अलग स्थानगत सांस्कृतिक विशेषता। ऐसे अलग–अलग सांस्कृतिक समूह की अलग–अलग भाषिक संरचनाएँ होती हैं, उसी को कुछ लोग उस भाषा की बोली कहते हैं।

'बोली' शब्द का प्रयोग सामान्यतः दो अर्थों में किया जाता रहा है

1. "बोली' जिसका प्रयोग कम लोगों द्वारा किया जाता है, सीमित क्षेत्र और सीमित कार्यों में जिसका प्रयोग होता है और जिसका साहित्य नहीं होता है।
2. किसी एक व्यापक और परिनिष्ठित/मानक भाषा के स्थानीय व क्षेत्रीय संस्करणों यानी विभाषाओं के लिए।

जब हम अवधी, ब्रजभाषा, मैथिली, भोजपुरी, गढ़वाली आदि को हिंदी की बोलियाँ कहते हैं, तो हम पहले अर्थ में बोली का प्रयोग कर रहे होते हैं लेकिन

यह सच नहीं है, क्योंकि अवधी, ब्रज, गढ़वाली आदि भाषाओं में प्रचुर साहित्य उपलब्ध है। इसीलिए, यह भाषावैज्ञानिक अर्थ नहीं है। भाषाविज्ञान की दृष्टि से उचित यही होगा कि बोली शब्द का प्रयोग दूसरे अर्थ में किया जाए। किसी एक भाषा के अंतर्गत, कुछ व्याकरण और मुख्यतः शब्दावली के अंतर से उस के कई स्थानीय रूप पाए जाते हैं।

नोट–हिन्दी शब्द, बोली, भाषा का विस्तृत विवरण अध्याय 32 में दिया गया है।

रासो काव्य परम्परा

रचना	रचनाकार
पृथ्वीराज रासो	चन्दबरदाई
बीसलदेव रासो	नरपति नाल्ह
हम्मीर रासो	शारंगधर
परमाल रासो	जगनिक
खुमाण रासो	दलपति विजय
दोहा कोश	सरहपा
परम चरिउ	स्वयंभू
जयमयंक जस चंद्रिका	मधुकर
श्रावकाचार	देवसेन
योगचर्या	डोम्भिपा
चर्यापद	शबरपा
वर्णरत्नाकर	ज्योतिरीश्वर ठाकुर
संदेश रासक	अब्दुर्रहमान

हिन्दी का प्रचार करने वाली प्रमुख धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाएँ

ब्रह्म समाज	कलकत्ता	**1828** ई.	राजा राममोहन राय
प्रार्थना समाज	बंबई	**1867** ई.	आत्मारंग पाण्डुरंग
आर्य समाज	बंबई	**1875** ई.	स्वामी दयानन्द सरस्वती
थियोसोफिकल सोसायटी	मद्रास	**1875** ई.	एनी बेसेंट
रामकृष्ण मिशन	बेलूर	**1897** ई.	विवेकानन्द

हिन्दी के विकास से सम्बन्धित प्रमुख पत्र–पत्रिकाएँ

(1) उदंत मार्तण्ड– **30** मई, **1826** को कलकत्ता से प्रकाशित (हिन्दी का प्रथम साप्ताहिक पत्र) संपादक–पं. जुगल किशोर शुक्ल।

(2) बंगदूत– **1829** में कलकत्ता से प्रकाशित साप्ताहिक पत्र, संपादक–राजा राममोहन।

(3) बनारस अखबार– **1849** में काशी से प्रकाशित, संपादक–राजा शिवप्रसाद 'सितारे हिन्द'।

(4) समाचार सुधावर्षण– **1854** में कलकत्ता से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक पत्र, संपादक–श्यामसुन्दर सेन।

(5) प्रजा हितैषी– **1855** में आगरा से प्रकाशित, संपादक–राजा लक्ष्मण सिंह।

(6) कविवचन सुधा– **1867** में काशी से प्रकाशित, संपादक–भारतेन्दु हरिश्चन्द्र।

(7) हरिश्चन्द्र मैगजीन– **1873** में बनारस से प्रकाशित, संपादक–भारतेन्दु हरिश्चन्द्र।

(8) बाला बोधिनी– **1874** में बनारस से प्रकाशित मासिक पत्रिका, संपादक–भारतेन्दु हरिश्चन्द्र द्वारा केवल महिलाओं के लिए प्रकाशित पत्रिका।

(9) सदादर्श– **1874** में दिल्ली से प्रकाशित साप्ताहिक पत्र, संपादक–लाला श्रीनिवास दास।

(10) भारत मित्र– **1877** में प्रकाशित साप्ताहिक पत्र, संपादक–बालमुकुंद गुप्त।

(11) हिन्दी प्रदीप– **1877** में इलाहाबाद से प्रकाशित मासिक पत्रिका, संपादक–बालकृष्ण भट्ट।

(12) ब्राह्मण– **1880** में कानपुर से प्रकाशित, संपादक–प्रताप नारायण मिश्र।

(13) आनन्द कादंबिनी– **1881** में मिर्जापुर से प्रकाशित मासिक, संपादक–बद्रीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'।

(14) भारतेन्दु– **1883** वृन्दावन, संपादक–राधाचरण गोस्वामी।

(15) द्वन्द्व– **1883** मासिक, लाहौर, संपादक–अंबिकादत्त व्यास।

(16) नागरी नीरद– **1893** साप्ताहिक, मिर्जापुर, संपादक–बद्रीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'।

(17) नागरी प्रचारिणी पत्रिका– **1896** में काशी से प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका, संपादक–श्याम सुंदरदास, रामनारायण मिश्र, शिवकुमार सिंह

(18) उपन्यास– **1898,** मासिक काशी, संपादक–किशोरीलाल गोस्वामी

(19) सरस्वती– **1900** में इलाहाबाद से प्रकाशित मासिक, सम्पादक–**1990** से **1903** तक महावीर प्रसाद द्विवेदी।

(20) सुदर्शन– **1900** काशी से प्रकाशित मासिक, संपादक–देवकीनन्दन खत्री, माधवप्रसाद मिश्र।

(21) समालोचक– **1902** में जयपुर से प्रकाशित, संपादक–चंद्रधर शर्मा गुलेरी।

(22) इन्दु– **1909** में वाराणसी से प्रकाशित मासिक, सम्पादक–अम्बिका प्रसाद गुप्ता, रूप नारायण पाण्डेय।

(23) मर्यादा– वाराणसी से प्रकाशित, संपादक–कृष्णकांत मालवीय, पद्यकांत मालवीय, लक्ष्मीधर बाजपेयी।

(24) प्रताप– **1913** में कानपुर से प्रकाशित साप्ताहिक, संपादक–गणेश शंकर विद्यार्थी।

(25) प्रभा– **1913** में खण्डवा से प्रकाशित मासिक, संपादक–बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', माखनलाल चतुर्वेदी।

(26) माधुरी– **1922** में लखनऊ से प्रकाशित, संपादक–प्रेमचन्द।

(27) मतवाला– **1923** में कलकत्ता से प्रकाशित साप्ताहिक, संपादक–निराला।

(28) विशाल भारत– **1928** में कलकत्ता से प्रकाशित मासिक, संपादक–बनारसीदास चतुर्वेदी, अज्ञेय, श्रीराम शर्मा।

(29) सुधा– **1929** में लखनऊ से प्रकाशित मासिक, संपादक–दुलारेलाल भार्गव, निराला।

(30) हंस– **1930** में बनारस से प्रकाशित मासिक, संपादक–प्रेमचन्द।

(31) भारत– **1933** में इलाहाबाद से प्रकाशित, संपादक–नंददुलारे बाजपेयी।

(32) रूपाभ– **1938** में प्रकाशित मासिक पत्र, संपादक–सुमित्रानन्दन पंत।

(33) प्रतीक– **1947** में इलाहाबाद से प्रकाशित, संपादक–'अज्ञेय'।

(34) समालोचक– **1958** में आगरा से प्रकाशित मासिक पत्र, संपादक–रामविलास शर्मा।

(35) पहल– **1960** में जयपुर से प्रकाशित त्रैमासिक पत्र, संपादक–ज्ञानरंजन।

(36) दिनमान– **1965** में दिल्ली से प्रकाशित साप्ताहिक, संपादक–रघुवीर सहाय।

(37) संचेतना– **1967** में दिल्ली से प्रकाशित त्रैमासिक, संपादक–महीप सिंह।

(38) तद्भव– **1999** में लखनऊ से प्रकाशित, संपादक–अखिलेश।

(39) बहुवचन– **1999** में वर्धा से प्रकाशित त्रैमासिक, संपादक–अशोक वाजपेयी।

(40) परख– **2000** में इलाहाबाद से प्रकाशित, सम्पादक–कृष्ण मोहन।

(41) संधान– **2001** में इलाहाबाद व दिल्ली से प्रकाशित त्रैमासिक, सम्पादक–लाल बहादुर वर्मा

(42) पाखी– **2008** में नोएडा से प्रकाशित मासिक, संपादक–अपूर्व जोशी

प्रमुख भाषाएँ

अवधी भाषा

- अवधी भाषा को साहित्यिक भाषा के रूप में स्थापित करने का श्रेय **प्रेममार्गी सूफी कवियों** को जाता है।
- अवधी अवध क्षेत्र की बोली है।
- अवधी को **'कोसली'** नाम से भी पुकारा जाता है।
- अवधी भाषा की पहली कृति मुल्ला दाउद की **'चंदायन' (1370)** या **'लोरकहा'** मानी जाती है।
- रामभक्त कवियों ने अवधी भाषा को साहित्यिक भाषा के रूप में प्रधानता दी है। इसमें प्रमुख स्थान **जायसी** का है।
- तुलसीदास ने **'रामचरितमानस'** की रचना अवधी भाषा में की थी।
- अवधी के प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ—

रचनाकार	रचना
कुतुबन	मृगावती
जायसी	पद्मावत
मंझन	मधुमालती
नूर मुहम्मद	इन्द्रावती
उसमान	चित्रावली
तुलसीदास	रामचरितमानस

ब्रजभाषा

- हिन्दी के विकास में फोर्ट विलियम कॉलेज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसकी स्थापना 1800 ई. में कोलकाता में हुई। ब्रजभाषा के आचार्य जॉन गिलक्राइस्ट ने विभिन्न भारतीय भाषाओं का अध्ययन किया तथा **'व्याकरण'** व **'शब्दकोष'** की रचना की।
- ब्रजभाषा में सर्वाधिक साहित्य की रचना कृष्ण भक्त कवियों ने पूर्व मध्यकाल में की। पुष्टिमार्ग के संस्थापक **वल्लभाचार्य** ने आठ कवियों को लेकर 1565 ई. में **अष्टछाप** की स्थापना की। जिसमें से चार विट्ठलनाथ के शिष्य थे।

  विट्ठलनाथ—गोविन्ददास, छीतस्वामी, नन्ददास, चतुर्भुजदास।

  वल्लभाचार्य—कुम्भनदास, सूरदास, कृष्णदास, परमानन्द दास।
- कृष्णभक्त कवियों में सूरदास का सर्वोच्च स्थान है। सूरदास **वल्लभाचार्य** के शिष्य थे। सूरदास की मृत्यु पर विट्ठलनाथ ने दुखी होकर कहा था—

  "पुष्टिमार्ग को जहाज जात है सो जाको कछु लेना होय सो लेउ"
- रीतिकालीन कवियों में केशवदास, बिहारी, देव, पद्माकर, भिखारीदास, सेनापति, मतिराम, घनानन्द, बोधा, आलम आदि कवियों ने ब्रजभाषा के साहित्य को समृद्ध करने में अपना योगदान दिया।
- निम्बार्क सम्प्रदाय, राधावल्लभी सम्प्रदाय, सखी सम्प्रदाय, चैतन्य गौड़ीय सम्प्रदाय के कवियों ने भी ब्रजभाषा के साहित्य को समृद्ध करने में अपना योगदान दिया।

खड़ी बोली

- खड़ी बोली गद्य की परम्परा का सूत्रपात सत्रहवीं–अठारहवीं शती से हुआ है।
- खड़ी बोली की प्राचीनतम गद्य–रचना प्रसिद्ध **कवि गंग** की **चंद छंद बरनन की महिमा** है।
- अठारहवीं शताब्दी की महत्वपूर्ण गद्य रचनाएँ **भाषा योग वाशिष्ठ** व **पद्म पुराण** है। **भाषा योग वाशिष्ठ** के रचयिता **रामप्रसाद निरंजनी** तथा **पद्म पुराण** के रचयिता **पं. दौलतराम** थे।
- खड़ी बोली का दूसरा नाम **कौरवी** है।
- उन्नीसवी शताब्दी के हिन्दी गद्य के चार उच्चकोटि के लेखक हैं—

  मुंशी सदासुखलाल—ये दिल्ली के निवासी थे तथा उर्दू फारसी के विख्यात साहित्यकार थे। इनका **सुखसागर** नामक ग्रन्थ विख्यात है।

  इंशा अल्ला खाँ—ये उर्दू के प्रसिद्ध शायर थे। इन्होंने **हिन्दी** के प्रयोग से **रानी केतकी की कहानी** की रचना की।

लल्लू लाल—ये आगरा के गोकुलपुरा के निवासी थे। इन्होंने शुद्ध खड़ी बोली में **प्रेमसागर** की रचना की।

सदलमिश्र—ये बिहार के निवासी थे। इन्होंने **नासिकेतोपाख्यान** की रचना की।

- खड़ी बोली गद्य की पहली रचना **गोरा बादल की कथा** मानी जाती है। इसके रचनाकार '**जटमल**' थे।
- हिन्दी गद्य के विकास में दो महानुभावों का विशेष योगदान रहा है। **राजा शिवप्रसाद सितारेहिन्द** एवं **राजा लक्ष्मण सिंह ।**
- **राजा शिव प्रसाद सितारे हिन्द**—इनकी पुस्तकों में उर्दू भाषा का बाहुल्य देखने को प्राप्त होता है। इनकी प्रसिद्ध पुस्तकें हैं—
  - राजा भोज का सपना
  - मानव धर्म सार
  - इतिहास तिमिर नाशक
  - उपनिषद् सार
- **राजा लक्ष्मण सिंह** ने अपनी रचनाओं में संस्कृत मिश्रित हिन्दी का प्रयोग किया है। आप आगरा के गोकुलपुरा के निवासी थे। आपने आगरा से **'प्रजा हितैषी'** नामक पत्र निकाला तथा **'अभिज्ञान शाकुन्तलम्'** का अनुवाद विशुद्ध हिन्दी में किया।

राजभाषा के रूप में हिन्दी का स्वरूप

- भारतीय संविधान में **14 सितम्बर, 1949** को हिन्दी को राजभाषा का दर्जा प्राप्त हुआ।
- संविधान के **अनुच्छेद 343** के अनुसार संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि **देवनागरी** है।
- राजभाषा आयोग के प्रथम अध्यक्ष **बाल गंगाधर खरे** थे। राजभाषा आयोग की प्रथम बैठक **15 जुलाई, 1955** को हुई थी।
- राजभाषा का अर्थ है—सरकारी कामकाज के लिए प्रयुक्त की जाने वाली भाषा। जिस समय हमारे यहाँ राजाओं तथा नवाबों का राज था उस समय राजभाषा को 'दरबारी भाषा' कहा जाता था।
- **14** सितम्बर, **1949** को सर्वसम्मति से हिन्दी को भारत की राजभाषा घोषित कर दिया गया। संविधान के अनुच्छेद **343** में लिखा गया है कि— 'देवनागरी लिपि में लिखी हिन्दी संघ की राजभाषा होगी।'
- संविधान के **अनुच्छेद 343 (i)** के अनुसार—"संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी। संघ के राजकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप भारतीय अंकों का अन्तर्राष्ट्रीय रूप होगा। किन्तु इसी धारा के अन्तर्गत यह प्रावधान कर दिया गया कि संविधान के प्रारम्भ होने से **15** वर्ष की कालावधि के लिए उन सब राजकीय प्रयोजनों के लिए अंग्रेजी भाषा का प्रयोग भी होता रहेगा जिसके लिए वह पहले से प्रयुक्त होती रही हो।"
- संविधान के अनुसार वही भाषा राष्ट्रभाषा की श्रेणी में आती है जिसमें राष्ट्रभाषा के सर्वाधिक गुण विद्यमान हों, जो निम्नलिखित हैं—
  — राष्ट्रभाषा देश के बहुसंख्यक लोगों द्वारा प्रयोग में लाई जाती हो।
  — उसमें उच्चकोटि के साहित्य की रचना हुई हो।
  — उसका शब्द भण्डार विस्तृत एवं समृद्ध हो।
  — वह व्यापक क्षेत्र में व्यवहृत हो।
  — उसका व्याकरण सरल एवं नियमबद्ध हो।
  — उसकी लिपि सुस्पष्ट एवं वैज्ञानिक हो।
  — वह राष्ट्रीय संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती हो।
  — वह भाषा राष्ट्रीय एकता में सहायक हो।

  इन समस्त विशेषताओं के आधार पर हिन्दी के अतिरिक्त अन्य किसी भाषा में ये गुण विद्यमान नहीं हैं, अतः सिर्फ हिन्दी ही भारत की राष्ट्रभाषा के पद पर प्रतिष्ठित हो सकती है।
- संविधान की आठवीं सूची में 22 भाषाओं को सम्मिलित किया गया है जिसमें उर्दू, गुजराती, तमिल, पंजाबी, मराठी, संस्कृत, हिन्दी, मणिपुरी, बोडो, संथाली, असमिया, उड़िया, कन्नड़, कश्मीरी, तेलुगु, बांग्ला, मलयालम, सिन्धी, नेपाली, कोंकणी, मैथिली, डोंगरी शामिल हैं।
- राजभाषा के अन्तर्गत किसी विदेशी भाषा को राजभाषा का दर्जा दिया जा सकता है परन्तु राष्ट्रभाषा किसी स्वदेशी भाषा को ही बनाया जा सकता है।
- राजभाषा मानक भाषा होती है जबकि राष्ट्रभाषा अन्य भाषाओं के क्षेत्रीय प्रभावों को ग्रहण करती है।
- राजभाषा किसी भी देश में एक से अधिक हो सकती हैं परन्तु राष्ट्रभाषा किसी देश में एक ही होती है।

विश्व हिन्दी सम्मेलन

सम्मेलन	स्थान	अवधि
पहला विश्व हिन्दी सम्मेलन	नागपुर (भारत)	**10** से **14** जनवरी **1975**
दूसरा विश्व हिन्दी सम्मेलन	मॉरीशस	**28** से **30** अगस्त **1976**
तीसरा विश्व हिन्दी सम्मेलन	दिल्ली (भारत)	**28** से **30** अक्टूबर **1983**
चौथा विश्व हिन्दी सम्मेलन	मॉरीशस	**2** से **4** दिसम्बर **1993**
पाँचवाँ विश्व हिन्दी सम्मेलन	टोबैगो	**4** से **8** अप्रैल **1996**
छठा विश्व हिन्दी सम्मेलन	लन्दन (ब्रिटेन)	**14** से **18** सितम्बर **1999**
सातवाँ विश्व हिन्दी सम्मेलन	सूरीनाम	**5** से **9** जून **2003**
आठवाँ विश्व हिन्दी सम्मेलन	न्यूयार्क (अमेरिका)	**13** से **15** जुलाई **2007**
नवाँ विश्व हिन्दी सम्मेलन	जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रीका)	**22** से **24** सितम्बर **2012**
दसवाँ विश्व हिन्दी सम्मेलन	भोपाल (भारत)	**10** से **12** सितम्बर **2015**

दसवें विश्व हिन्दी सम्मेलन का उद्घाटन भारत के प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया। इस सम्मेलन का मुख्य विषय 'हिन्दी जगतः विस्तार एवं संभावनाएँ' था।

परीक्षोपयोगी महत्वपूर्ण प्रश्न

1. 'पृथ्वीराज रासो' किस काल की रचना है ?
(A) आदिकाल (B) रीतिकाल
(C) भक्तिकाल (D) आधुनिक काल

2. 'आल्हा' के रचयिता का नाम है–
(A) श्रीधर (B) केदारनाथ
(C) चन्दबरदाई (D) जगनिक

3. हिन्दी की उत्पत्ति किस भाषा से हुई है?
(A) प्राकृत (B) संस्कृत
(C) शौरसैनी अपभ्रंश (D) मागधी

4. राजभाषा आयोग के प्रथम अध्यक्ष थे–
(A) बी. जी. खरे
(B) राजा लक्ष्मण सिंह
(C) प्रतापनारायण मिश्र
(D) इंशाअल्ला खाँ

5. निम्नलिखित बोलियों में से कौन–सी बोली उत्तर प्रदेश में सामान्यतः नहीं बोली जाती ?
(A) मैथिली (B) अवधी
(C) ब्रज (D) खड़ी बोली

6. कौन हिन्दी की उपभाषा नहीं है ?
(A) पूर्वी हिन्दी (B) राजस्थानी
(C) मराठी (D) पश्चिमी हिन्दी

7. हिन्दी भाषा किस लिपि में लिखी जाती है ?
(A) सौराष्ट्री (B) देवनागरी
(C) गुरुमुखी (D) ब्राह्मी

8. भारत की प्रथम देशज भाषा कौन–सी है ?
(A) पालि (B) प्राकृत
(C) संस्कृत (D) इसमें से कोई नहीं

9. 'हंस' पत्रिका के संस्थापक संपादक थे ?
(A) प्रेमचन्द (B) निराला
(C) धर्मवीर भारती (D) अज्ञेय

10. भारतेन्दु ने किस पत्रिका का संपादन किया ?
(A) हिन्दी प्रदीप (B) इन्दु
(C) कविवचन सुधा (D) भारतबन्धु

11. भारत में आर्यभाषा का आरम्भ कब हुआ?
(A) 1600 ई. पूर्व
(B) 1500 ई. पूर्व
(C) 1400 ई. पूर्व
(D) 1300 ई. पूर्व

12. पूर्वी हिन्दी विकसित हुई है—
(A) पैशाची अपभ्रंश (B) अर्धमागधी अपभ्रंश
(C) शौरसेनी अपभ्रंश (D) मागधी अपभ्रंश

13. मानक हिन्दी का आधार क्या है ?
(A) खड़ी बोली (B) अपभ्रंश
(C) पूर्वी हिन्दी (D) परिनिष्ठ हिन्दी

14. निम्नलिखित में से कौन–सी बोली राजस्थानी हिन्दी के अन्तर्गत आती है ?
(A) मगही (B) कन्नौजी
(C) मेवाती (D) बघेली

15. दसवाँ विश्व हिन्दी सम्मेलन भारत के किस शहर में आयोजित किया गया था ?
(A) नागपुर (B) नई दिल्ली
(C) जयपुर (D) भोपाल

16. हिन्दी के अतिरिक्त कौन–सी भाषा देवनागरी लिपि में लिखी जाती है ?
(A) नेपाली (B) सिंधी
(C) बांग्ला (D) पंजाबी

17. पश्चिमी हिन्दी के अन्तर्गत कौन–सी बोली आती है ?
(A) कन्नौजी (B) मेवाती
(C) बघेली (D) मगही

18. 'सितारे हिन्द' किस लेखक का उपमान था—
(A) राजेन्द्र प्रसाद
(B) राजा शिव प्रसाद
(C) बाल मुकुन्द गुप्त
(D) लक्ष्मण सिंह

19. हिन्दी के सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र का नाम है—
(A) सम्मेलन पत्रिका
(B) सरस्वती
(C) उदन्त मार्तण्ड
(D) नागरी प्रचारिणी पत्रिका

20. 'सरस्वती' पत्रिका का सम्पादन किसने किया ?
(A) श्यामसुन्दर दास
(B) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(C) रामचन्द्र शुक्ल
(D) प्रताप नारायण मिश्र

21. डॉ. रूपचन्द पारिख के अनुसार हन्दी साहित्य के इतिहास के सर्वप्रथम लेखक का नाम है—
(A) जॉर्ज ग्रियर्सन
(B) शिवसिंह सेंगर
(C) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(D) गार्सा दा तासी

22. हिन्दी के प्रथम गद्यकार हैं—
(A) राजा शिवप्रसाद सितारे हिन्द
(B) लल्लूलाल
(C) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(D) बालकृष्ण भट्ट

23. चारण काव्य की भाषा है—
(A) डिंगल (B) प्राकृत
(C) अवहटट् (D) ब्रजभाषा

24. विद्यापति की 'पदावली' की भाषा क्या है ?
(A) मैथिली (B) ब्रजभाषा
(C) भोजपुरी (D) मगही

25. 'संदेश रासक' के रचनाकार हैं—
(A) अमीर खुसरो (B) अब्दुर्रहमान
(C) बिहारी (D) रहीम

26. 'मृगावती' के रचनाकार हैं—
(A) उसमान (B) विद्यापति
(C) मंझन (D) कुतुबन

27. 'रानी केतकी की कहानी' के रचनाकार हैं—
(A) वृन्दावन लाल वर्मा
(B) किशोरी लाल गोस्वामी
(C) लल्लू लाल
(D) इंशा अल्ला खाँ

28. नागरी प्रचारिणी सभा की स्थापना का वर्ष है—
(A) 1893 ई. (B) 1902 ई.
(C) 1857 ई. (D) 1917 ई.

29. संविधान सभा में हिन्दी को रष्ट्रभाषा बनाने का प्रस्ताव किसने रखा ?
(A) पं. जवाहरलाल नेहरू
(B) भीमराव अम्बेडकर
(C) सरदार वल्लभ भाई पटेल
(D) गोपाल स्वामी आयंगर

30. 'खड़ी बोली' का मूल नाम है—
(A) मगही (B) हिन्दुस्तानी
(C) बघेली (D) कौरवी

31. अपभ्रंश और पुरानी हिन्दी के मध्य का समय कहा जाता है—
(A) उत्कर्ष काल (B) अवसान काल
(C) संक्रान्ति काल (D) प्राकृत काल

32. 'ब्रजबुलि' नाम से किस भाषा को जाना जाता है ?
(A) पंजाबी (B) मराठी
(C) गुजराती (D) पुरानी बांग्ला

33. सिद्धों की कुल संख्या कितनी है ?
(A) 84 (B) 86
(C) 82 (D) 88

34. 'खुमाण रासो' के रचयिता हैं—
(A) सरहपा (B) दलपति विजय
(C) जगनिक (D) चन्दबरदाई

35. 'नाथ पंथ' के प्रवर्तक माने जाते हैं—
(A) जलंधर नाथ (B) मछंदर नाथ
(C) गोरखनाथ (D) गैनीनाथ

36. 'नाथों' की कुल संख्या है—
(A) 10 (B) 8
(C) 9 (D) 7

37. 'आर्य समाज' के संस्थापक थे—
(A) एनी बेसेंट
(B) विवेकानन्द
(C) स्वामी दयानन्द सरस्वती
(D) राजा राममोहन राय

38. अष्टछाप की स्थापना किस वर्ष की गई ?
(A) 1556 ई. (B) 1586 ई.
(C) 1566 ई. (D) 1565 ई.

39. 'नासिकेतोपाख्यान' के रचनाकार हैं—
(A) सदल मिश्र (B) लल्लू लाल
(C) सदासुख लाल (D) पं. दौलतराम

40. आंचलिक रचनाएँ किससे सम्बन्धित होती हैं ?
(A) देश विशेष से (B) लोक विशेष से
(C) क्षेत्र विशेष से (D) जाति विशेष से

41. निम्नलिखित में सबसे पहले अपनी आत्मकथा हिन्दी में किसने लिखी ?
(A) श्याम सुन्दर दास
(B) सेठ गोविन्द दास
(C) जवाहर लाल नेहरू
(D) बनारसी दास

42. अपभ्रंश में कृष्ण काव्य के प्रणेता हैं—
(A) पुष्पदन्त
(B) शालिभद्र सूरि
(C) स्वयंभू
(D) हरिभद्र सूरि

43. अपभ्रंश का वाल्मीकि किसे कहा जाता है ?
(A) पुष्पदंत को
(B) धनपाल को
(C) शालिभद्र सूरि को
(D) स्वयंभू

44. 'हिन्दी प्रदीप' के यशस्वी सम्पादक का नाम है—
(A) राधाकृष्ण गोस्वामी
(B) बालकृष्ण भट्ट
(C) अम्बिका दत्त व्यास
(D) लाला भगवान दीन

45. निम्नलिखित में कौन 'सरस्वती' पत्रिका के सम्पादक नहीं रहे हैं ?
(A) श्याम सुन्दर दास
(B) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(C) श्री नारायण चतुर्वेदी
(D) शांतिप्रिय द्विवेदी

46. हिन्दी की पहली कहानी लेखिका का नाम है—
(A) बंग महिला
(B) सत्यवती
(C) चन्द्र किरन
(D) चन्द्रकांता

47. खड़ी बोली के सर्वप्रथम लोकप्रिय कवि कौन माने जाते हैं ?
(A) रामधारी सिंह 'दिनकर'
(B) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
(C) मैथिली शरण गुप्त
(D) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

48. 'कस्तूरी कुंडल बसै' आत्मकथा है—
(A) शीला झुनझुनवाला की
(B) मैत्रेयी की
(C) कुसुम अंचल की
(D) गोपाल प्रसाद व्यास की

49. 'प्रजा हितैषी' पत्र किसके द्वारा निकाला गया ?
(A) राजा शिव प्रसाद सितारे हिन्द
(B) लक्ष्मण सिंह
(C) इंशाअल्ला खाँ
(D) सदल मिश्र

50. तीसरा विश्व हिन्दी सम्मेलन कहाँ आयोजित हुआ?
(A) मॉरीशस (B) दिल्ली
(C) भोपाल (D) लन्दन

51. अपभ्रंश में कृष्ण काव्य के प्रणेता हैं–
(A) जयदेव पीयूषवर्ण
(B) विद्यापति
(C) पुष्पदंत
(D) कवि दामोदर

52. सरहपा के अन्य नाम हैं–
(A) सरोज व्रज (B) राहुल व्रज
(C) (A) व (B) दोनों (D) इनमें से कोई नहीं

53. 'हिन्दी का आदि कवि' किसे माना जाता है?
(A) अब्दुर्रहमान (B) भारतेन्दु
(C) स्वयंभू (D) पुष्पदंत

54. खड़ी बोली का प्रथम महाकाव्य कौन–सा है ?
(A) भक्तिसागर (B) सुखसागर
(C) प्रियप्रवास (D) प्रेम सागर

55. निम्नलिखित में से कौन–सी पश्चिमी हिन्दी की बोली नहीं है ?
(A) बुन्देली (B) ब्रज
(C) कन्नौजी (D) बघेली

56. भारतीय संविधान के किन अनुच्छेदों में राजभाषा सम्बन्धी प्रावधानों का उल्लेख है ?
(A) 343–352 तक (B) 434–315 तक
(C) 443–135 तक (D) 334–153 तक

57. 'दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा' का मुख्यालय कहाँ पर स्थित है ?
(A) हैदराबाद (B) बंगलुरु
(C) चेन्नई (D) मैसूर

58. हिन्दी भाषा के विकास का सही अनुक्रम कौन–सा है ?
(A) पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, हिन्दी
(B) प्राकृत, अपभ्रंश, हिन्दी, पालि
(C) अपभ्रंश, पालि, प्राकृत, हिन्दी
(D) हिन्दी, पालि, अपभ्रंश, प्राकृत

59. किस विद्वान् ने 'केशवदास' को 'भाषा का मिल्टन' की संज्ञा दी–
(A) गणपति चंद्रगुप्त (B) मिश्रबंधु
(C) पद्मसिंह शर्मा (D) डॉ. नगेन्द्र

60. ब्रजभाषा व्याकरण के लेखक हैं–
(A) याकूब खाँ (B) मिर्जा खाँ
(C) बेनी प्रवीण (D) गोरे लाल

61. 'चौरासी वैष्णवन की वार्ता' किसकी रचना है ?
(A) गोस्वामी तुलसीदास
(B) गोपाल नाथ
(C) नाभादास
(D) गोस्वामी गोकुलनाथ

62. 'महात्मा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय' का मुख्यालय है—
(A) लखनऊ (B) पुणे
(C) दिल्ली (D) वर्धा

63. 'हिन्दी दिवस' मनाया जाता है—
(A) 11 जून (B) 14 सितम्बर
(C) 28 सितम्बर (D) 10 अक्टूबर

64. हिन्दी किस भाषा परिवार की भाषा है?
(A) भारोपीय (B) द्रविड़
(C) आस्ट्रिक (D) चीनी–तिब्बती

65. भारत में सर्वाधिक बोले जाने वाली भाषा कौन–सी है ?
(A) हिन्दी (B) संस्कृत
(C) तमिल (D) उर्दू

66. खड़ी बोली का पहला महाकाव्य निर्धारित है–
(A) प्रियप्रवास (B) साकेत
(C) यशोधरा (D) द्वापर

67. निम्नलिखित में से कौन–सी बोली अथवा भाषा हिन्दी के अन्तर्गत नहीं आती है ?
(A) कन्नौजी (B) बांगरू
(C) अवधी (D) तेलुगु

68. हिन्दी की विशिष्ट बोली 'ब्रजभाषा' किस रूप में सबसे अधिक प्रसिद्ध है ?
(A) राजभाषा (B) तकनीकी भाषा
(C) राष्ट्रभाषा (D) काव्यभाषा

69. भारतवर्ष में हिन्दी को आप किस वर्ग में रखेंगे ?
(A) राजभाषा (B) राष्ट्रभाषा
(C) विभाषा (D) तकनीकी भाषा

70. 'ढूँढ़ाड़ी' बोली है—
(A) पश्चिमी राजस्थान की
(B) पूर्वी राजस्थान की
(C) दक्षिणी राजस्थान की
(D) उत्तरी राजस्थान की

71. निम्नलिखित में से कौन–सी भाषा देवनागरी लिपि में लिखी जाती है?
(A) गुजराती (B) उड़िया
(C) मराठी (D) पंजाबी

72. निम्नलिखित में से कौन–सी भाषा संस्कृत भाषा की अपभ्रंश है?
(A) खड़ी बोली (B) ब्रजभाषा
(C) अवधी (D) पालि

73. अधिकतर भारतीय भाषाओं का विकास किस लिपि से हुआ ?
(A) शारदा लिपि (B) खरोष्ठी लिपि
(C) कुटिल लिपि (D) ब्राह्मी लिपि

74. वर्तमान हिन्दी का प्रचलित रूप है—
(A) अवधी (B) ब्रजभाषा
(C) खड़ी बोली (D) देवनागरी

75. हिन्दी भाषा की बोलियों के वर्गीकरण के आधार पर छत्तीसगढ़ी बोली है—
(A) पूर्वी हिन्दी
(B) पश्चिमी हिन्दी
(C) पहाड़ी हिन्दी
(D) राजस्थानी हिन्दी

76. संविधान के अनुच्छेद 351 में किस विषय का वर्णन है?
(A) संघ की भाषा
(B) उच्चतम न्यायालय की भाषा
(C) पत्राचार की भाषा
(D) राजभाषा हिन्दी के विकास के लिए निर्देश

77. 'ब्रजभाषा' है—
(A) पूर्वी हिन्दी (B) पश्चिमी हिन्दी
(C) बिहारी हिन्दी (D) पहाड़ी हिन्दी

78. 'मगही' किस उपभाषा की बोली है ?
(A) राजस्थानी (B) पश्चिमी हिन्दी
(C) पूर्वी हिन्दी (D) बिहारी

79. हिन्दी खड़ी बोली किस अपभ्रंश से विकसित हुई है ?
(A) मागधी (B) अर्द्ध मागधी
(C) शौरसेनी (D) ब्राचड़

80. भाषाई आधार पर सर्वप्रथम किस राज्य का गठन हुआ?
(A) पंजाब (B) जम्मू–कश्मीर
(C) राजस्थान (D) आन्ध्र प्रदेश

81. 'बघेली' बोली का सम्बन्ध किस उपभाषा से है?
(A) राजस्थानी (B) पूर्वी हिन्दी
(C) बिहारी (D) पश्चिमी हिन्दी

82. भारतीय संविधान की **8**वीं अनुसूची में शामिल भाषाओं की संख्या है—
(A) 14 (B) 15
(C) 18 (D) 22

83. आठवाँ विश्व हिन्दी सम्मेलन (World Hindi Conference) 2007 ई. का आयोजन स्थल था—
(A) नागपुर (B) मारिशस
(C) लन्दन (D) न्यूयार्क

84. निम्नलिखित में से कौन–सी भारोपीय परिवार की भाषा नहीं है ?
(A) मराठी (B) गुजराती
(C) मलयालम (D) हिन्दी

85. विकास की दृष्टि से प्राकृत की पूर्वकालीन अवस्था का नाम है—
(A) पालि (B) संस्कृत
(C) हिन्दी (D) अवहट्ठ

86. पश्चिमी हिन्दी की दो बोलियों का सही युग्म है—
(A) कन्नौजी–अवधी
(B) ब्रज–बघेली
(C) छत्तीसगढ़ी–बांगरु
(D) खड़ी बोली–बुंदेली

87. अर्धमागधी अपभ्रंश से विकसित बोली है—
(A) बांगरु (B) बघेली
(C) ब्रजभाषा (D) भोजपुरी

88. देवनागरी लिपि का सही विकास–क्रम है—
(A) गुप्त लिपि, ब्राह्मी लिपि, देवनागरी लिपि, नागरी लिपि
(B) नागरी लिपि, ब्राह्मी लिपि, गुप्त लिपि, देवनागरी लिपि
(C) ब्राह्मी लिपि, गुप्त लिपि, नागरी लिपि, देवनागरी लिपि
(D) गुप्त लिपि, नागरी लिपि, ब्राह्मी लिपि, देवनागरी लिपि।

89. हिन्दी का सम्बन्ध किससे है ?
(A) शौरसेनी अपभ्रंश
(B) अपभ्रंश
(C) पश्चिमी प्राकृत
(D) प्राकृत

90. अपभ्रंश को 'पुरानी हिन्दी' किसने कहा है ?
(A) ग्रियर्सन
(B) श्याम सुन्दर दास
(C) चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'
(D) भारतेन्दु

91. साहित्यिक अपभ्रंश को पुरानी हिन्दी किसने कहा था ?
(A) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(B) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(C) शिव सिंह सेंगर
(D) राहुल सांकृत्यायन

92. शौरसेनी अपभ्रंश से किस उपभाषा का विकास हुआ ?
(A) बिहारी (B) राजस्थानी
(C) बांग्ला (D) पंजाबी

93. भाषा का जादूगर किसे कहा जाता है–
(A) रामवृक्ष बेनीपुरी
(B) मुंशी प्रेमचंद
(C) शिव पूजन सहाय
(D) भारतेन्दु हरिश्चंद्र

94. 'पंजाबी' का विकास अपभ्रंश के किस रूप से हुआ है ?
(A) महाराष्ट्री (B) मागधी
(C) ब्राचड़ (D) पैशाची

95. बिहारी, बांग्ला, उड़िया और असमिया भाषाओं का उद्‌भव किस अपभ्रंश से हुआ है ?
(A) मागधी (B) अर्धमागधी
(C) पैशाची (D) शौरसैनी

96. अर्धमागधी अपभ्रंश से किसका विकास हुआ है ?
(A) पश्चिमी हिन्दी (B) पूर्वी हिन्दी
(C) मराठी (D) गुजराती

97. इनमें कौन–सी बोली पूर्वी हिन्दी की नहीं है ?
(A) अवधी (B) बिहारी
(C) बघेली (D) छत्तीसगढ़

98. शौरसेनी अपभ्रंश से उत्पन्न भाषाएँ हैं—
(A) ब्रजभाषा, अवधी, कुमाऊँनी और गढ़वाली
(B) पश्चिमी हिन्दी, राजस्थानी और गुजराती
(C) बिहारी, बांग्ला, उड़िया और असमिया
(D) लँहदा, पंजाबी, गुजराती और मराठी

99. पश्चिमी हिन्दी की बोली नहीं है
(A) कन्नौजी (B) हरियाणी
(C) अवधी (D) बुन्देली

100. हिन्दी की 'उपभाषाएँ' कितनी हैं ?
(A) तीन (B) चार
(C) पाँच (D) छः

101. पश्चिमी हिन्दी की बोलियों की संख्या है—
(A) दो (B) तीन
(C) चार (D) पाँच

102. पूर्वी हिन्दी की बोलियाँ हैं—
(A) अवधी, बघेली एवं छत्तीसगढ़ी
(B) ब्रज, अवधी और कन्नौजी
(C) भोजपुरी, बघेली, छत्तीसगढ़ी
(D) मैथिली, ब्रज और कन्नौजी

103. भोजपुरी, मगही और मैथिली बोलियाँ किससे सम्बन्धित हैं ?
(A) पश्चिमी हिन्दी
(B) पूर्वी हिन्दी
(C) बिहारी हिन्दी
(D) राजस्थानी हिन्दी

104. सिन्धी भाषा का उद्‌भव हुआ है
(A) ब्राचड़ अपभ्रंश से
(B) पैशाची अपभ्रंश से
(C) मागधी अपभ्रंश से
(D) शौरसेनी अपभ्रंश से

105. गुड़गाँव, दिल्ली तथा करनाल के पश्चिमी क्षेत्रों में बोली जाने वाली 'अहीरवाटी' का सम्बन्ध किससे है ?
(A) उत्तरी–पूर्वी राजस्थानी
(B) पश्चिमी राजस्थानी
(C) उत्तरी राजस्थानी
(D) दक्षिणी राजस्थानी

106. 'अवधी' का उद्‌भव किस अपभ्रंश से हुआ है ?
(A) शौरसेनी (B) पैशाची
(C) मागधी (D) अर्धमागधी

107. 'मैथिली' में साहित्य सृजन करने वाला रचनाकार कौन है ?
(A) विद्यापति (B) भारतेन्दु
(C) सरहपा (D) अज्ञेय

108. मध्य पूर्वी राजस्थानी का एक अन्य नाम है–
(A) मेवाती (B) ढूँढ़ाडी
(C) मारवाड़ी (D) मालवी

109. निम्नलिखित में से किस बोली में कृष्ण काव्य और रीतिकालीन साहित्य का सृजन हुआ ?
(A) अवधी (B) भोजपुरी
(C) ब्रजभाषा (D) कौरवी

110. इनमें से कौन–सी रचना 'अवधी' में नहीं है ?
(A) पद्मावत (B) मधुमालती
(C) कवितावली (D) हंस जवाहिर

111. शकुन्तला नाटक का खड़ी बोली में अनुवाद किसने किया ?
(A) राजा शिव प्रसाद 'सितारे हिन्द'
(B) राजा लक्ष्मण सिंह
(C) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(D) गिरिधर दास

112. खड़ी बोली कहाँ बोली जाता है ?
(A) झाँसी (B) कानपुर
(C) मेरठ (D) अलीगढ़

113. किस क्षेत्र की बोली को 'काशिका' कहा गया है ?
(A) बाँसवाड़ा (B) आरा–भोजपुर
(C) बनारस (D) मगध

114. पश्चिमी हिन्दी किस अपभ्रंश से विकसित है ?
(A) प्राकृत (B) मागधी
(C) शौरसेनी (D) अर्धमागधी

115. निम्नलिखित में से कौन–सी द्रविड़ परिवार की भाषा है ?
(A) उड़िया (B) बांग्ला
(C) असमिया (D) कन्नड़

116. ब्रजभाषा किस अपभ्रंश से विकसित है ?
(A) शौरसेनी (B) मागधी
(C) अर्धमागधी (D) पैशाची

117. 'रामचरितमानस' किस भाषा में लिखा गया ?
(A) ब्रज (B) भोजपुरी
(C) अवधी (D) मागधी

118. हिन्दी भाषा की बोलियों के वर्गीकरण के आधार पर छत्तीसगढ़ी बोली है–
(A) पूर्वी हिन्दी (B) पश्चिमी हिन्दी
(C) पहाड़ी हिन्दी (D) राजस्थानी हिन्दी

119. 'खालिकबारी' किसकी रचना है ?
(A) खलिक खलक (B) रहीम
(C) अमीर खुसरो (D) अकबर

120. 'मैथिली' का विकास किस अपभ्रंश से माना जाता है ?
(A) शौरसेनी अपभ्रंश
(B) मागधी अपभ्रंश
(C) अर्धमागधी अपभ्रंश
(D) महाराष्ट्री अपभ्रंश

121. तुलसी कृत 'विनयपत्रिका' की भाषा है
(A) अवधी (B) ब्रज
(C) कन्नौजी (D) कौरवी

122. निम्नलिखित बोलियों में से कौन–सी बोली उत्तर प्रदेश में नहीं बोली जाती है ?
(A) अवधी (B) ब्रज
(C) खड़ी बोली (D) मैथिली

123. फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना कहाँ हुई ?
(A) लखनऊ (B) हैदराबाद
(C) दिल्ली (D) कोलकाता

124. भारतीय संविधान में हिन्दी को मान्यता कब मिली ?
(A) 26 जनवरी, 1950
(B) 14 सितम्बर, 1949
(C) 15 अगस्त, 1947
(D) 14 सितम्बर, 1955

125. संविधान के किस अनुच्छेद में देवनागरी लिपि में लिखित हिन्दी को संघ की राजभाषा घोषित किया है ?
(A) 343 (B) 345
(C) 347 (D) 348

126. नागरी प्रचारिणी सभा के संस्थापकों में थे–
(A) शिवकुमार सिंह और बाबू श्यामसुन्दर दास
(B) रामचन्द्र शुक्ल और भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(C) प्रतापनारायण मिश्र और बालकृष्ण भट्ट
(D) जगन्नाथ दास रत्नाकर और शिवप्रसाद गुप्त

127. काशी नागरी प्रचारिणी सभा के संस्थापकों में कौन नहीं है ?
(A) बाबू श्यामसुन्दर दास
(B) ठा. शिवकुमार सिंह
(C) रामनारायण मिश्र
(D) रामचन्द्र शुक्ल

128. भारतीय भाषाओं को भारतीय संविधान की किस अनुसूची में शामिल किया गया है ?
(A) सप्तम् (B) अष्टम्
(C) नवम् (D) दशम्

उत्तरमाला

1. (A)	**2.** (D)	**3.** (B)	**4.** (A)	**5.** (A)
6. (C)	**7.** (B)	**8.** (C)	**9.** (A)	**10.** (C)
11. (B)	**12.** (B)	**13.** (A)	**14.** (C)	**15.** (D)
16. (A)	**17.** (A)	**18.** (B)	**19.** (C)	**20.** (B)
21. (D)	**22.** (B)	**23.** (A)	**24.** (A)	**25.** (B)
26. (D)	**27.** (D)	**28.** (A)	**29.** (D)	**30.** (D)
31. (C)	**32.** (D)	**33.** (A)	**34.** (B)	**35.** (B)
36. (C)	**37.** (C)	**38.** (D)	**39.** (A)	**40.** (C)
41. (D)	**42.** (A)	**43.** (D)	**44.** (B)	**45.** (D)
46. (A)	**47.** (D)	**48.** (B)	**49.** (B)	**50.** (B)
51. (C)	**52.** (C)	**53.** (D)	**54.** (C)	**55.** (D)
56. (A)	**57.** (C)	**58.** (A)	**59.** (B)	**60.** (B)
61. (D)	**62.** (D)	**63.** (B)	**64.** (A)	**65.** (A)
66. (A)	**67.** (D)	**68.** (D)	**69.** (A)	**70.** (B)
71. (C)	**72.** (D)	**73.** (D)	**74.** (C)	**75.** (A)
76. (D)	**77.** (B)	**78.** (D)	**79.** (C)	**80.** (D)
81. (B)	**82.** (D)	**83.** (D)	**84.** (C)	**85.** (A)
86. (A)	**87.** (B)	**88.** (C)	**89.** (D)	**90.** (C)
91. (A)	**92.** (B)	**93.** (C)	**94.** (D)	**95.** (A)
96. (B)	**97.** (B)	**98.** (B)	**99.** (C)	**100.** (C)
101. (D)	**102.** (A)	**103.** (C)	**104.** (A)	**105.** (A)
106. (D)	**107.** (A)	**108.** (B)	**109.** (C)	**110.** (D)
111. (B)	**112.** (C)	**113.** (C)	**114.** (C)	**115.** (D)
116. (A)	**117.** (C)	**118.** (A)	**119.** (C)	**120.** (B)
121. (B)	**122.** (D)	**123.** (D)	**124.** (B)	**125.** (A)
126. (A)	**127.** (D)	**128.** (B)		

❐❐